राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक 3 तेरहवीं विधान सभा के तृतीय सत्र का आठवां दिवस संख्या 06

मंगलवार,
14 जुलाई, 2009

राजस्थान विधान सभा की बैठक 1100 बजे
विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्ष: राम, राम।

अनेक माननीय सदस्य: राम, राम, साहब।

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, जो कल हुआ ...(व्यवधान)...

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य, भवानी सिंहजी माफी मांगें। ...(व्यवधान)... जिस तरह से कल उन्होंने हमारे नेता के ऊपर और हमारे मंत्री महोदय के ऊपर टिप्पणी करी, पहले उनसे माफी मंगवाइये ...(व्यवधान)...

श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास (सूरसागर): माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन से माफी मांगें ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: हम लोग इस बात को कभी सहन नहीं करेंगे ...(व्यवधान)... महिलाओं का अपमान और उन्होंने जिस तरीके से हमारे सदस्य यहां पर सदन में बोले ...(व्यवधान)...

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले माफी मांगें ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, प्रश्न काल चलने दें, कृपया विराजें। कृपया विराजें, माननीय सदस्यगण। ...(व्यवधान)...

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): जिस तरह से हमारे माननीय सदस्य के परिवारजनों पर उँगली उठायी ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण। ...(व्यवधान)... प्रश्न काल चलने दें कृपया। माननीय सदस्यगण, कृपया आप विराजें। ...(व्यवधान)... कृपया विराजें।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व जोर-जोर से बोलना)

श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास (सूरसागर): जब तक यह माफी नहीं मांगते ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: क्या, माननीय सदस्यगण, प्रश्न काल नहीं चलने देना चाहते? ...(व्यवधान)... कृपया विराजें।

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): माफी मांगें पहले ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि सदन चले पर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल ...(व्यवधान)... सत्ता के मद में सत्तारूढ़ दल के लोगों ने किया, ऐसा नहीं चलेगा, अध्यक्ष महोदय। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: कृपया विराजें, माननीय सदस्यगण। ...(व्यवधान)...

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): पहले वो माफी मांगें ...(व्यवधान)... जिस तरह के शब्दों का प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य ने उपयोग किया है ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): यह सदन का अपमान नहीं राजस्थान की महिलाओं का अपमान है ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: अंकित नहीं होगा।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): 000

श्री अध्यक्ष: अंकित नहीं होगा।

श्री मुरारीलाल मीणा (दौसा): 000

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): 000

श्री बाबूलाल नागर (राज्य मंत्री, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति): 000

श्रीमती कान्ता गरासिया (गढ़ी): 000

श्री अध्यक्ष: कृपया विराजें। प्रश्न काल चलने दें। ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): 000

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही चलने दें, माननीय सदस्यगण। कृपया सदन की कार्यवाही चलने दें। ...(व्यवधान)...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व नारेबाजी)

---

[000] अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

श्रीमती कान्ता गरासिया (गढ़ी): 000

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): 000

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): [000]

श्री अध्यक्षः श्री गोविन्द सिंह डोटासरा। ...(व्यवधान)... श्री गोविन्द सिंह डोटासरा।

तारांकित प्रश्नोत्तर

तम्बाकू जनित सेवन योग्य उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबन्ध

प्रश्न, श्री गोविन्द सिंह डोटासरा।

60. श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): क्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) क्या यह सही है कि तम्बाकू जनित बीमारियों से राज्य में प्रति वर्ष हजारों व्यक्ति मौत के शिकार बनते हैं?

(2) क्या यह भी सही है कि सरकार द्वारा तम्बाकू जनित बीमारियों से होने वाली मौतों के सम्बन्ध में कोई सर्वे नहीं करवाया गया है? यदि हां, तो क्यों एवं क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने का विचार रखती है? यदि हां, तो क्या एवं कब तक?

(3) क्या यह भी सही है कि राज्य में लागू तम्बाकू नियंत्रण कानून का पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है? यदि हां, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

(4) क्या सरकार राज्य में तम्बाकू के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में आमजन में चेतना जागृत करने हेतु सतत् अभियान चलाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब से एवं नहीं, तो क्यों?

(5) क्या सरकार राज्य में तम्बाकू युक्त गुटखों एवं अन्य उत्पादों के निर्माण, उपयोग एवं बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब से व नहीं, तो क्यों?

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्रीजी।

श्री एमादुद्दीन उर्फ दुरू मियां (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): (1) जी हां। तम्बाकू जनित बीमारियों से प्रति वर्ष बड़ी संख्या में व्यक्ति मौत के शिकार बनते हैं।

श्री अध्यक्षः कृपया, माननीय सदस्यगण, सदन की कार्यवाही चलने दें। कृपया सदन की कार्यवाही चलने दें।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व नारेबाजी)

---

[000] अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

श्रीमती ममता भूपेश (सिकराय): 000

श्रीमती कान्ता गरासिया (गढ़ी): 000

श्री प्रतापसिंह खाचरियावास (सिविल लाइन्स): 000

श्री एमादुद्दीन उर्फ दुरू मियां (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री): (2) जी हां। तम्बाकू जनित बीमारियों से होने वाली मौतें स्वीकारीय तथ्य हैं। इन रोगों पर नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए तम्बाकू के प्रचलन/प्रयोग पर रोक हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा इसी परिप्रेक्ष्य में सम्पूर्ण भारत वर्ष में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद ...

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व नारेबाजी)

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.04 बजे एक घंटे के लिए स्थगित हुई)

vns/usc/12.00/14.7.2009/1g/1

(12.04 बजे)

पुनः समवेत् होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, सत्ता के मद में इन्होंने..(व्यवधान)

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय...(व्यवधान)

श्री ज्ञानदेव आहूजा (रामगढ़): अध्यक्ष महोदय, जिन्होंने यह कथन किया है..(व्यवधान) अपने कथन के लिये माफी मांगे...(व्यवधान)

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश)

स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

श्री अध्यक्ष: मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है:-

श्री शिवजीराम मीणा एवं दो सदस्यों की ओर से विधान सभा क्षेत्र जहाजपुर के कतिपय राजस्व ग्रामों को नगरपालिका में शामिल किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में...(व्यवधान) कृपया आप विराज जाएं...(व्यवधान) कृपया आप विराजें...(व्यवधान)

---

000 अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, राजस्थान विधान सभा की गरिमा का सवाल है..(व्यवधान) प्रतिपक्ष का नेता..(व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घण्टे के लिये स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 12.05 बजे एक घण्टे के लिये स्थगित हुई।)

ssy/usc/13.00/14.7.2009/1n

(13.05 बजे)

पुनः समवेत् होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, सदन में इस तरह का ...(व्यवधान)...

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): इस तरह से हाउस नहीं चलेगा अध्यक्ष महोदय ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: हाउस को चलने ही नहीं देना चाहते हैं।

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, इस तरह से हाउस नहीं चलेगा ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों पर सूचना प्राप्त हुई है ...(व्यवधान)... कृपया बिराजें ...(व्यवधान)... मैं व्यवस्था दूंगा लेकिन पहले आप अव्यवस्था समाप्त करें ...(व्यवधान)... आप अव्यवस्था समाप्त कीजिये तब मैं व्यवस्था दूं ...(व्यवधान)... कृपया आप अव्यवस्था समाप्त कीजिये तब मैं व्यवस्था देता हूं।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में प्रवेश व नारेबाजी)

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): प्रतिपक्ष की नेता माफी मांगे, प्रतिपक्ष की नेता माफी मांगे ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: विपक्ष के लोगों को राजस्थान की जनता देख रही है ...(व्यवधान)...

(पक्ष एवं प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्रीमती बीना काक (महिला एवं बाल विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के माननीय सदस्य चलाना चाहते हैं क्या सदन की कार्यवाही ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: कृपया सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करें ...(व्यवधान)... मेहरबानी करके सदन की कार्यवाही चलाने में सभी माननीय सदस्य सहयोग करें, मैं

निवेदन करना चाहता हूं ...(व्यवधान)... अंकित नहीं हो ...(व्यवधान)...

(पक्ष एवं प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

एक माननीय सदस्य: 000

jyg/akt/14.7.9/13.10/1o

(अध्यक्षपीठ से अंकित नहीं करने के निर्देश: जारी...)

(प्रतिपक्ष के कई माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में व सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा अपने स्थान से नारेबाजी)

...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: ...(व्यवधान)... कोई माफी मांगने को तैयार नहीं, क्या करें? ...(व्यवधान)...

(बजे)

(डा. (श्रीमती) परम नवदीप सिंह, सभापति, पदासीन)

(प्रतिपक्ष के कई माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में व सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा अपने स्थान से नारेबाजी)

...(व्यवधान)...

Gpc/akt/14072009/1320/1p

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में लगातार नारेबाजी)

(सत्तापक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा लगातार नारेबाजी)

मोहन/अरूण/14072009/1330/1q

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

Skp/akt/14.07.2009/13.40/2a

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन वैल में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

---

000 अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

(बजे)

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्षः आप विराज जाएं। कृपया विराजें। कृपया विराजें। (व्यवधान) कृपया विराजें। कृपया विराजें। कृपया आप विराजें। (व्यवधान) कृपया सदन की कार्यवाही चलने दें। कृपया सदन की कार्यवाही चलने दें। (व्यवधान) कुछ भी अंकित नहीं हो रहा है। (व्यवधान) कृपया सदन की कार्यवाही चलने दें।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन वैल में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

आप लोग विराजो तो आगे कार्यवाही चलायें। आप लोग विराजो तो आगे कार्यवाही चलायें। (व्यवधान) सारे माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं कि आप लोग विराजें तो सदन की कार्यवाही चले। कृपया सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करें। कृपया विराजें। (व्यवधान)

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन वैल में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

तो ऐसे विधान सभा भी नहीं चल पायेगी। इस तरह से विधान सभा भी नहीं चल पायेगी। (व्यवधान)

सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 13.46 बजे एक घंटे के लिए स्थगित हुई।)

vkj/akt/14072009/1440/2g

(14.46 बजे)

पुनः समवेत होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): अध्यक्ष महोदय, आज सुबह से सदन में गतिरोध है... (व्यवधान)

अनेक माननीय सदस्यः माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय अध्यक्ष महोदय। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): ... जिस प्रकार से टिप्पणी की गई है... (व्यवधान) सत्ता के मद में चूर सरकार अपनी... (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह बड़े शर्म की बात है। (व्यवधान)

एक माननीय सदस्यः वसुन्धराजी, माफी मांगो। (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): ...और इस तरह का आचरण करने के बाद भी अपने कुकृत्यों के लिए क्षमा याचना नहीं करें, सत्ता के मद में चूर होकर... (व्यवधान) इससे बड़ी बात और नहीं हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, मेरा अनुरोध है आपसे... (व्यवधान) सदन की कार्यवाही चले। हम यह चाहते हैं। हम यह चाहते हैं कि सदन की कार्यवाही चले पर जिस तरह का वातावरण सत्तारूढ़ दल बना रहा है और अध्यक्ष महोदय,... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, सुबह 11 बजे से अब 2.45 बज गये हैं। आज सदन की कार्यवाही एक मिनट के लिए नहीं चल पाई... (व्यवधान) कृपया सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलने दें मेहरबानी करके। (व्यवधान)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): अध्यक्ष महोदय, यदि आपकी मंशा है... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैंने दोनों दल के सम्माननीय नेताओं को बुलाया था लेकिन... (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): इससे ज्यादा शर्मनाक बात कभी नहीं हो सकती। (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: सोनिया गांधी माफी मांगो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कृपया सदन को चलने दें। (व्यवधान) कृपापूर्वक सदन को चलने दें।

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): अगर गतिरोध आ गया है तो इसमें गतिरोध समाप्त करने का... (व्यवधान) गतिरोध समाप्त करने का... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कृपया सदन चलने दें।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): ...गतिरोध जो आ गया है... (व्यवधान) व्यवस्था देकर करते... (व्यवधान) आप चाहते हैं या नहीं चाहते? सदन को चलाना आप लोग नहीं चाहते। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैंने दोनों तरफ के सम्माननीय नेताओं को बुलाया, दो बार प्रयास कर लिया है। कृपया सदन चलने दें। (व्यवधान) कृपया सदन चलने दें।

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

कृपया सदन चलने दें। (व्यवधान) माननीय सदस्य, कृपया बिराज जायें। (व्यवधान) माननीय सदस्यगण, कृपया बिराज जायें। (व्यवधान) अंकित नहीं होगा।

अनेक माननीय सदस्य: 000

श्री ज्ञानदेव आहूजा (रामगढ़): 000

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): 000

Jkj/akt/14.50/2h/14.07.2009

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्री प्रतापसिंह खाचरियावास (सिविल लाइन्स): 000

श्री गुलाब चन्द कटारिया (उदयपुर): 000 (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: बैठ जायें, कृपया बिराज जाओ। मेहरबानी करके सदन चलने दें। कृपा करके बिराज जाइये।

(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

(व्यवधान)

श्री सभापति: आप तो पधारो। आप तो पधारो। आप तो पधारो। बैठिये। पधारो, पधारो। अजी पधारो। बैठिये, ठीक है, बिराजो। कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा है, आप क्या बोल रहे हैं, बिराजें आप। बिराजो। गले खराब हो जायेंगे, क्या मतलब है, गले खराब होंगे। गले खराब होंगे। आप बिराजो। आप तो पधारो। आप तो पधारो उधर। आप पधारो तो सही। समाधान तो बात से निकलेगा, समाधान बात से निकलेगा। समाधान बातचीत से निकलेगा। समाधान बातचीत से निकलेगा, बिराजो तो सही आप, आप बिराजो। आप बिराजो, आप बिराजें तो सही। जिसका भी अपमान हुआ है वह उसकी देख कर कर लेंगे व्यवस्था, उसकी कर लेंगे व्यवस्था। (व्यवधान)

Lpm/akt/1500/2j/14.7.09

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्तापक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

श्री सभापति: आप लोग पधारो न वहां पर, आप लोग पधारिए तो सही, रोक देंगे उनको। गला दुख रहा होगा, गला दुख गया न, फिर क्या मतलब है? गला सबका खराब हो गया, उनका भी हो गया, सबके गले हो गए। आप लोग पधारो तो सही ...(व्यवधान)... गला खराब है, ठीक है, ठीक है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

---

000 अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

(सत्तापक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

गला दुखने लग गया ना, गला-गला, गला कैसा है आप लोग का? गला-गला, गला दर्द हो रहा होगा ना, अरे गला दर्द हो रहा होगा ना, अब तो विराजो आप, अब तो विराजो। माननीय महिलाएं ...(व्यवधान)... तो मैं कर रहा हूं व्यवस्था आप तो विराजो तो सही, आप तो विराजो उधर, आप विराजो तो सही, अभी मेवाड़ की लाज तो रखी हुई है। आप पधारो, आप विराजो तो सही, आप विराजो उधर। किरण जी गला दर्द कर रहा होगा, अब बैठो, कल्याण सिंह जी गला दर्द कर रहा होगा, गला दर्द कर रहा होगा अब तो विराजो तो सही आप। अभी करते हैं व्यवस्था, अब तो यह भूमिका निभानी है न, विराजो, बिलकुल आप भी आते हो, मैं भी आता हूं, दोनों आते हैं, आप विराजो, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप वहां विराजो तो सही, आप विराजो फिर करेंगे। फिर महिलाओं का अपमान नहीं होने देंगे, चिंता मत करो आप, महिलाओं का अपमान नहीं होने देंगे, नहीं होने देंगे आप चिंता मत करो, महिलाओं का अपमान नहीं होने देंगे, कोई भी महिला हो, किसी का अपमान नहीं होने देंगे। आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो। माननीय सदस्य विराजो आप, विराजो तो सही, माननीय सदस्य विराजिए, आप विराजो तो सही, वो सब करेंगे। आप वहां तो विराजो, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप बैठोगे तब करेंगे न बात, सदन को चलाने दो, सदन चलाने दो आप, फिर सब करेंगे व्यवस्था, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो, आप अपनी-अपनी कुर्सियों पर विराजो, फिर बात करेंगे। नहीं होने देंगे, किसी भी महिला का अपमान नहीं होने देंगे, आप विश्वास मानो, बिलकुल नहीं होने देंगे। आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, यह है जनाधार ...(व्यवधान)... आप विराजो तो सही, आप विराजोगे तो सदन चलेगा, सदन चलेगा तो आप जो चाह रहे हो वह सब होगा। विराजो तो सही आप, विराजोगे तो आगे कार्यवाही चलेगी, कार्यवाही नहीं चलेगी तो कार्यवाही क्या होगी? सदन चलेगा कार्यवाही होगी, सदन चलेगा कार्यवाही होगी, आप विराजो तब है ना, सदन ही नहीं चलेगा तो कार्यवाही ...(व्यवधान)... आप वैल में खड़े हो, उससे क्या नतीजा निकलेगा? आप वहां विराजो जब है ना, पहले कैसे व्यवस्था दे बताओ आप? व्यवस्था पहले थोड़ी ही देंगे, व्यवस्था तो बाद में होगी, आप विराजो। यह चीज, महिलाओं का, किसी भी महिला का अपमान नहीं होने देंगे, किसी भी महिला का अपमान नहीं होने देंगे, आप मानकर चलो, बिलकुल नहीं होगा। महिलाएं आदरणीय, सम्माननीय, पूजनीय सब हैं, नहीं होगा, आप चिंता मत करो। आप विराजो, सभी

महिलाएं आदरणीय हैं, सम्माननीय हैं, पूजनीय हैं, आप विराजो उधर, आप विराजो तो सही, आप विराजो तो सही, विराजिए, पधारिए

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्तापक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

लेकर तो पधारे उधर सबको ...(व्यवधान)... वह सब रुके हुए हैं, सब रुके हुए हैं आप इनको लेकर पधारो ना उधर, उपनेता महोदय इनको तो लेकर पधारो आप। इनको उधर लेकर पधारो, इनको उधर लेकर पधारो, आप भी बोल रहे हैं, यह भी बोल रहे हैं........

भीम/अरुण/14.7.09/15.10/2k

आप दोनों ही बोल रहे हैं मैं तो हाथ जोड़ रहा हूं आप विराजो। मेरा तो अनुरोध है कि आप विराजो। सदन चलेगा तभी तो होगी कार्यवाही सभी। आप विराजो तो सही वहां पर। मेरा हाथ जोड़ कर अनुरोध है आपस में मत उलझो विराजो आप। आप विराजिये। हम भी हाथ जोड़ रहे हैं न। आपसे अनुरोध कर रहे हैं प्रार्थना कर रहे हैं निवेदन कर रहे हैं विराजो आप। आप विराजो। नारेबाजी दोनों मत करो। आप भी मत करो नारेबाजी ये भी नहीं करेंगे। नारेबाजी आप भी मत करो ये भी, कोई नहीं करें। मैं तो इनको भी कह रहा हूं कोई नहीं करेगा। आप पधारो तो सही वहां। ये तो अपनी-अपनी सीमाओं में उधर हैं आप तो पधारो उधर। आप पधारो उधर। आप पधारो तो सही। आप पधारो। उधर पधारो। उधर पधारो। उधर पधारो। सचेतक महोदय, उधर तो विराजो। सचेतक महोदय।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

मैं दे रहा हूं कि आप पधारो तो सही। आप वहां तो पधारो। मैं आपसे हाथ जोड़ रहा हूं। मैं आपसे हाथ जोड़ रहा हूं। आपसे हाथ जोड़ रहा हूं। आपके हाथ जोड़ रहा हूं। आप विराजो वहां। आप विराजो वहां। आप वहां विराजो। नहीं होगा। आप विराजो तो सही वहां पर। आप विराजो तो सही। आप पधारो तो सही वहां। आप पधारो तो सही। व्यवस्था देंगे न। आप क्यों चिन्ता कर रहे हैं। जाओ तो सही। सदन में व्यवस्था नहीं दें तब आप बोलना। आप पधारो वहां। आप पधारो पास में यहां तक आ गई हैं। अब आप यहां तक आ गई हैं और क्या चाहिए फिर। अब आप यहां तक पहुंच रहे हो, कैसे चलेगा? सचेतक महोदय, कैसे चलेगा? आप यहां तक पहुंच रहे हो। आप यहां तक पहुंच रहे हो। आप अपने लेकर पधारो न। आप सब लेकर पधारो। आप लेकर पधारो वहां। आप वहां लेकर पधारो। आप लेकर पधारो वहां। आप सब वहां पधारो। वहां, वहां पधारो। ये भी वहां चले

जाएंगे। ये भी सब चले जाएंगे। आप भी वहां पधारो। आप वहां पधारो तो सही। ऐसे कैसे चलेगा? नहीं तो यों फिर सदन चलेगा कैसे? सदन चलेगा कैसे? इसलिए वहां पधारो। ये चले जाएंगे सब। सब चले जाएंगे। आप यहां सब वैल से पधारो। आप ही हो जनक सबसे ज्यादा। आप ही ने करवाया है सब भवानीसिंह जी। आप पधारो। पधारो। विराजो। विराजो। वो सब हो जाएगा। यादव साहब, आप लेकर तो चलो। उप नेता महोदय, सचेतक महोदय, संभालो-संभालो थोड़ा।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

अब तो गला दुखने लग गया होगा अब तो शांति रखिये आप। मेरे को पहनने की जरूरत नहीं है मैं तो चलूंगा सब। विराजो। विराजो। विराजो आप।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

आप पधारो। मैं दूंगा न आप पधारो तो सही। ये भी चले जाएंगे सब। आप भी पधारो न वहां लेकर जाओ सभी को। आप लेकर तो जाओ बार-बार यही कह रहा हूं मैं आपसे। आप लेकर पधारो न। सब व्यवस्था हो जाएगी आप लेकर पधारो।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

आप पधारो न मैं व्यवस्था दे दूंगा। आप पधारो तो सही वहां पर। आप तो यहां खड़े हो। आप तो यहां खडे हो। आप यहां खडे हो पधारो। आप अपनी सीटों पर पधारो मैं सारी व्यवस्थाएं दे दूंगा आप पधारो तो सही। आप पधारो तो सही। आप बैठें वहां पर। ये भी चले जाएंगे। आप भी नारेबाजी बंद कर दो ये भी कर देंगे। बंद तो करो आप। दोनों नारेबाजी बंद करो मैं दोनों से निवेदन कर रहा हूं दोनों ही बंद कर दो आप दोनों ही। नारेबाजी दोनों बंद कर दो। आप भी बंद कर दो ये भी बंद कर दें। गला दुखने लग गया होगा अब तो। गला नहीं दुखा? चल रहा है? काम दे रहा है? गला ठीक है?

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)

(सत्ता पक्ष के अनेक माननीय सदस्यों द्वारा सदन में नारेबाजी)

मुझे तो दोनों तरफ से सहयोग नहीं मिल रहा है। मुझे दोनों तरफ से सहयोग नहीं मिल रहा है। आप तो पधारो वहां। आप तो पधारो वहां पर। सब सुन लिया। आप जाइये न। वहां जाओ न सीटों पर। आप जाएं तो सही वहां पर फिर दूंगा मैं व्यवस्था। तो आप जाओ तो सही। जाओ वहां कुर्सी पर विराजो। करेंगे आप विश्वास रखो। आप जाओ। आप विराजो तो सही। सदन की कार्यवाही चलने दो आप। व्यवस्था दे देंगे ...

कैलाश/अरुण 14.07.2009 15.20 (1) **2I**

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारेबाजी)
(कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी)

श्री सभापतिः ...(व्यवधान)... बिलकुल व्यवस्था दे देंगे आप पधारो तो सही । सदन चलेगा तभी तो कार्यवाही होगी, आप विराजो । मैं तो कल ही दे रहा था आप लोग यहां आ गये, मैं व्यवस्था दे रहा था और आप यहां आ गये । व्यवस्था देते देते तो आप यहां आ गये । आपको बार बार रोक रहा था वहां पधारो, वहां पधारो आप आये ही नहीं । अभी भी कह रहा हूं कि आप पधारो । मैं व्यवस्था अभी भी दे दूंगा, आप पधारो । मैं कह रहा हूं व्यवस्था दे दूंगा आप पधारो । बिलकुल नहीं होगी आप चिंता मत करो । आप विराजिए । ...(व्यवधान)... यह उचित नहीं है जो सिखा रहे हो, स्वस्थ चीजे सिखाओ । ...(व्यवधान)... यादव साहब विराजो व्यवस्था तो बाद में दी जाती है । आप सदन में पहले भी रहे हुए हो आप विरोजोगे तभी तो व्यवस्था दूंगा । आप लोग वहां पधारो तो सही । ...(व्यवधान)...

(बजे)
(श्री दीपेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्षः सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिये स्थगित की जाती है ।

(तदनन्तर सदन की बैठक 15.22 बजे एक घंटे के लिये स्थगित हुई।)

ans/usc 16.20 3a 14072009

(16.22 बजे)
पुनः समवेत् होने पर
(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

श्री सभापतिः सदन आधे घण्टे के लिए स्थगित किया जाता है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 16.22 बजे आधे घण्टे के लिए स्थगित हुई।)

दुर्गा/चौहान 140709 16.52 **3d**

(16.52 बजे)

(पुनः समवेत् होने पर)

(श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत, सभापति, पदासीन)

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय एक घण्टे के लिये बढ़ाया जाए।

श्री सभापति: क्या सदन का समय एक घण्टा बढ़ाया जाए?

(स्वीकृत)

सदन का समय एक घण्टा बढ़ाया जाता है।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभापति महोदय, जिस तरह का वातावरण सत्तारूढ़ दल ने बना रखा है। (व्यवधान)

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही आधे घण्टे के लिये स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 16.53 बजे आधे घण्टे के लिए स्थगित हुई।)

Vps- usc- 14.07.2009-17.20-3g-1

(17.23 बजे)

पुनः समवेत् होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्ष: कृपया विराजें। कृपया विराजें।

कल से दुर्भाग्यवश किन्हीं भी कारणों से उत्तेजना के माहौल में सदन की कार्यवाही आज दिनभर ठप रही और निश्चित रूप से मुझे भी और अधिकांश माननीय सदस्यों को इस बात की बड़ी तकलीफ है कि जिस काम के लिए हम यहां आते हैं वह हम पूरा नहीं कर पाये। मैंने बहुत प्रार्थना भी की है और सुबह से मैं इसमें प्रयासरत रहा हूं कि किसी प्रकार से यह डैड-लॉक खतम होकर और सौहार्दपूर्ण वातावरण बने।

कल की कार्यवाही मैंने सारी मंगा कर देख ली है और जो भी उसमें आपत्तिजनक शब्द किसी भी व्यक्ति द्वारा कहे गये हो, चाहे किसी माननीय सदस्य द्वारा कहे गये हो, उन सबको एक्सपंज कर दिया गया है, उनको कार्यवाही से हटा दिया गया है।

मैं आप सबसे आग्रह करूंगा, प्रार्थना करूंगा कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। चूंकि, सुबह के प्रयास से, बारबार प्रयास करते, समस्त नेताओं से भी बात की है, माननीय सदस्यों से भी बात की है। नेताओं और माननीय सदस्यों की भावना भी यही है कि सदन चलना चाहिए। तो मैं आप सबसे यही आग्रह करूंगा कि प्रयास करते-करते काफी नजदीक हम इस बात के पहुंचे हैं कि अब आज का दिन तो पूरा हो गया लेकिन कल सदन सुचारु रूप से चल पाएगा, इस बात का पूरा प्रयास मेरी ओर से भी रहा है और मुझे यह कहते हुए भी संतोष है कि जिन-जिन नेताओं से, जिन-जिन माननीय सदस्यों से मैंने बात की, सभी पक्षों से, सबका यह मानना है कि सदन की कार्यवाही चलनी चाहिए। जो माननीय सदस्य अपनी बात कहने के लिए तत्पर हैं उनको उनका अवसर मिलना चाहिए ।

इसलिए मेरा आप सभी से यही आग्रह है कि मेरे प्रयास को आप सबके सहयोग से सफलता मिले और हम सब लोग, अब आज का समय तो दिन पूरा कर दिया लेकिन कल से कार्यवाही सुचारु रूप से चले, इसके लिए प्रार्थना करते हुए सदन की बैठक बुधवार, दिनांक 15 जुलाई, 2009 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 17.25 बजे बुधवार, दिनांक 15 जुलाई, 2009 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)